चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 22 जून 2026, अंक –293.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

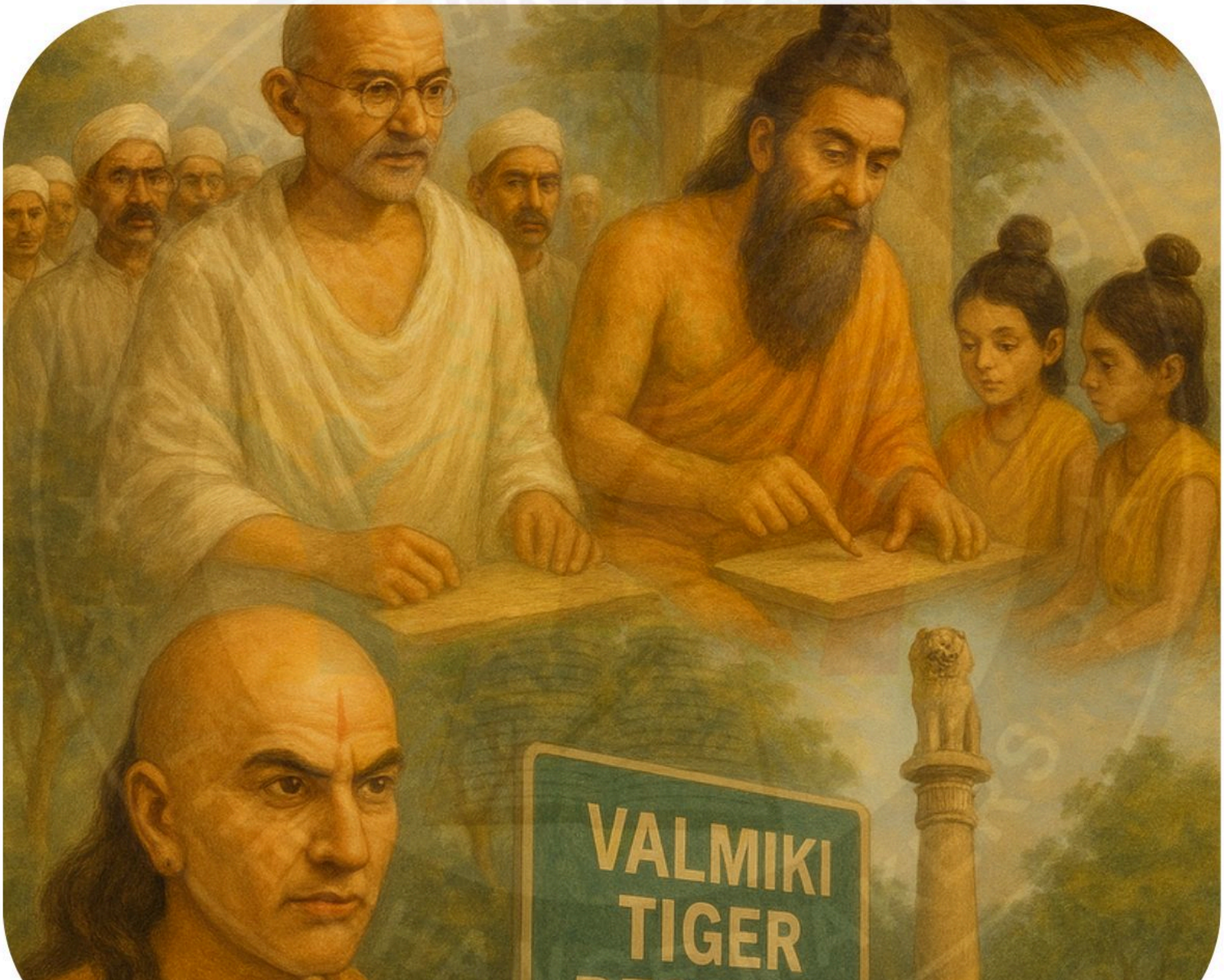

"परिस्थितियाँ मनुष्य को नहीं बनातीं, वे उसे खुद से मिलवाती हैं।"

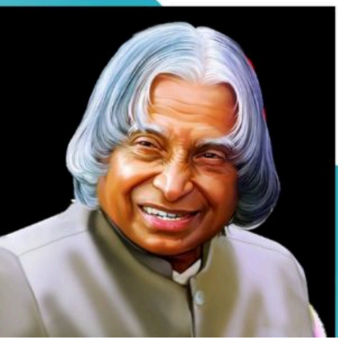

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Monday Prayer

सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।

सदा हमारे सिर पर तेरा हाथ रहे,
हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे,
हां, हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे;
खुशियों का हो जीवन में आयाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मिलकर इस धरती को चमन बनाएं हम,
गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम।
हां, गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम;
यही हमारा हो हरदम पैगाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मात-पिता की सेवा और सम्मान करें,
उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
हां, उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
अच्छे कर्म का अच्छा परिणाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाएं हम,
विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
हाँ, विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
तुम्ही से है आगाज़ तुम्हीं से अंजाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

गुरुओं का सत्कार कभी न भूले हम,
इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
हाँ, इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
तुम्हीं से है हर सुबह तुम्ही से शाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा......

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. मेक्सिको की राजधानी क्या है?
उत्तर: मेक्सिको सिटी
प्रश्न 2. भारत का राष्ट्रीय फूल कौन-सा है?
उत्तर: कमल
प्रश्न 3. 'नुआखाई' पर्व मुख्य रूप से किस राज्य का प्रमुख त्योहार है?
उत्तर: ओडिशा
प्रश्न 4. 36 और 48 का महत्तम समापवर्तक (HCF) क्या है?
उत्तर: 12
प्रश्न 5. बिहार का कौन-सा स्थान 'विश्व शांति स्तूप' के लिए प्रसिद्ध है?
उत्तर: राजगीर
प्रश्न 6. रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान किस वन्य जीव के लिए प्रसिद्ध है?
उत्तर: बाघ
प्रश्न 7. गुरुत्वाकर्षण के नियम का प्रतिपादन किसने किया?
उत्तर: आइजैक न्यूटन
प्रश्न 8. भारत के संविधान की प्रस्तावना में "बंधुत्व (Fraternity)" का अर्थ क्या है?
उत्तर: भाईचारा
प्रश्न 9. 'पृथ्वी' शब्द का एक पर्यायवाची क्या है?
उत्तर: धरा
प्रश्न 10. जल का वाष्प में बदलना किस प्रक्रिया को कहते हैं?
उत्तर: वाष्पीकरण

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Gardenia – (गार्डेनिया) – एक प्रकार का फूलदार पौधा
Seed – (सीड) – बीज
Plant – (प्लांट) – पौधा
Leaf – (लीफ) – पत्ता
Root – (रूट) – जड़
Branch – (ब्रांच) – शाखा
Fruitful – (फ्रूटफुल) – फलदायक / उपयोगी

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "मैं ... सकता/सकती हूँ" (I can ...)

मैं पढ़ सकता/सकती हूँ। – I can read.
मैं लिख सकता/सकती हूँ। – I can write.
मैं खेल सकता/सकती हूँ। – I can play.
मैं गा सकता/सकती हूँ। – I can sing.
मैं अंग्रेज़ी बोल सकता/सकती हूँ। – I can speak English.

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटाहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रतिवर्ष 22 जून को वैश्विक स्तर पर वर्षावनों के संरक्षण और उनके महत्व के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए कौन सा अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है?

उत्तर: विश्व वर्षावन दिवस

व्याख्या: विश्व वर्षावन दिवस (World Rainforest Day) हर साल 22 जून को मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य दुनिया भर के अमूल्य वर्षावनों के संरक्षण, जैव विविधता की रक्षा और जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने में उनकी भूमिका के प्रति लोगों को जागरूक करना है। अमेज़न और कांगो बेसिन जैसे वर्षावन पृथ्वी के फेफड़े कहे जाते हैं, जो भारी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड सोखते हैं। बढ़ती वनों की कटाई के कारण इन वनों का अस्तित्व संकट में है, जिससे वैश्विक तापमान में वृद्धि हो रही है। इस दिन विभिन्न पर्यावरण संगठन वनों को बचाने के लिए वैश्विक कार्ययोजनाओं पर चर्चा और कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं।

संदर्भ: संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) आधिकारिक पोर्टल, पर्यावरण कैलेंडर 2026।

प्र.2. जून 2026 में आयोजित बॉन जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (SB 64) के दौरान विकासशील देशों ने जलवायु वित्त के लिए किस नए सामूहिक मात्रात्मक लक्ष्य को अंतिम रूप देने पर जोर दिया है?

उत्तर: NCQG लक्ष्य

व्याख्या: जून 2026 में जर्मनी के बॉन में आयोजित यूएनएफसीसीसी (UNFCCC) के जलवायु परिवर्तन सम्मेलन के दौरान विकसित और विकासशील देशों के बीच गहन चर्चा हुई। इस सम्मेलन में विकासशील देशों ने 'न्यू कलेक्टिव क्वांटिफाइड गोल' (NCQG) के तहत वित्तीय सहायता को बढ़ाने की मांग की, ताकि वे जलवायु अनुकूलन और शमन रणनीतियों को प्रभावी ढंग से लागू कर सकें। यह मुद्दा आगामी COP31 शिखर सम्मेलन के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि वर्ष 2020 के बाद 100 अरब डॉलर के पुराने लक्ष्य को संशोधित कर एक नए, अधिक व्यावहारिक और बड़े वित्तीय ढांचे को स्थापित करने की वैश्विक आवश्यकता है।

संदर्भ: UNFCCC जून 2026 बॉन कॉन्फ्रेंस रिपोर्ट, समसामयिक घटनाचक्र जून 2026।

प्र.3. हाल ही में चर्चा में रही प्रसिद्ध पुस्तक "द गोल्डन इयर्स" (The Golden Years) के लेखक कौन हैं, जिसमें जीवन के अनुभवों और यादों का सुंदर चित्रण है?

उत्तर: रस्किन बॉन्ड

व्याख्या: "द गोल्डन इयर्स: द मेनी जॉयस ऑफ लिविंग ए गुड लॉन्ग लाइफ" भारतीय मूल के प्रसिद्ध ब्रिटिश लेखक रस्किन बॉन्ड द्वारा लिखी गई एक बेहद लोकप्रिय पुस्तक है। इस पुस्तक में लेखक ने अपने जीवन के अस्सी और नब्बे के दशक के अनुभवों को साझा किया है। उन्होंने बहुत ही सरल और आत्मीय भाषा में यह बताया है कि कैसे छोटी-छोटी चीजों में खुशियां ढूंढी जा सकती हैं और बढ़ती उम्र को एक बोझ के बजाय एक उत्सव के रूप में कैसे जिया जा सकता है। यह पुस्तक साहित्य प्रेमियों और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रचनाओं में से एक है।

संदर्भ: हार्परकोलिन्स इंडिया पब्लिकेशन रिपोर्ट, राष्ट्रीय पुस्तक समीक्षा 2025-26।

प्र.4. भारत के किस राष्ट्रीय उद्यान को रॉयल बंगाल टाइगर की सर्वाधिक सघनता के साथ-साथ उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वनों और दलदली घास के मैदानों के संरक्षण के लिए जाना जाता है?

उत्तर: काज़िरंगा राष्ट्रीय उद्यान

व्याख्या: काज़िरंगा राष्ट्रीय उद्यान असम में स्थित है, जो यूनेस्को का एक विश्व धरोहर स्थल है। यद्यपि यह उद्यान मुख्य रूप से एक सींग वाले गैंडे के लिए प्रसिद्ध है, परंतु यहाँ बाघों की सघनता भी बहुत अधिक है। यह क्षेत्र ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे स्थित होने के कारण उपजाऊ जलोढ़ मिट्टी, दलदली घास के मैदान और उष्णकटिबंधीय आर्द्र पर्णपाती वनों से समृद्ध है। पर्यावरण और वन्यजीव संरक्षण की दृष्टि से यह पार्क अत्यंत संवेदनशील है। यहाँ हाथियों, बारहसिंगा और विभिन्न प्रवासी पक्षियों की प्रजातियों का भी संरक्षण किया जाता है, जो इसे भारत का एक प्रमुख पारिस्थितिक केंद्र बनाता है।

संदर्भ: NCERT, कक्षा 9, समकालीन भारत-1 (भूगोल), अध्याय 5: प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी, पृष्ठ संख्या 49।

प्र.5. मौर्य राजवंश के पतन के बाद भारत के उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में सबसे पहले आक्रमण करने वाले और सोने के सिक्के जारी करने वाले शासक कौन थे?

उत्तर: हिंद-यवन शासक

व्याख्या: मौर्य साम्राज्य के कमजोर होने के बाद भारतीय उपमहाद्वीप के उत्तर-पश्चिमी सीमा पर कई विदेशी आक्रमणकारी आए, जिनमें सबसे पहले हिंद-यवन (इण्डो-ग्रीक) राजा थे। इन शासकों में मिनांडर (मिलिंद) सबसे प्रसिद्ध था, जिसने बौद्ध धर्म अपनाया था। भारत के इतिहास में हिंद-यवन शासकों का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि उन्होंने ही सबसे पहले ऐसे सोने के सिक्के जारी किए, जिन पर राजाओं के नाम और चित्र अंकित थे। इनसे पहले भारत में केवल आहत (पंचमार्क) सिक्के चलते थे। इनके आगमन से भारत की कला, संस्कृति और ज्योतिष विज्ञान पर गहरा यूनानी प्रभाव पड़ा।

संदर्भ: NCERT, कक्षा 6, हमारे अतीत-1 (इतिहास), अध्याय 10: नए साम्राज्य और राज्य, पृष्ठ संख्या 105।

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. मुख्य रूप से महाराष्ट्र, सौराष्ट्र और मध्य प्रदेश के मालवा पठार में पाई जाने वाली कपास की खेती के लिए सबसे उपयुक्त मृदा कौन सी है?
उत्तर: काली मृदा
व्याख्या: काली मृदा को स्थानीय भाषा में 'रेगुर मृदा' भी कहा जाता है और इसे कपास की खेती के लिए सर्वोत्तम माने जाने के कारण 'काली कपास मृदा' भी कहते हैं। इस मृदा का निर्माण दक्कन के पठार पर बेसाल्ट चट्टानों के टूटने-फूटने और लावा के प्रवाह से हुआ है। इस मिट्टी की सबसे बड़ी विशेषता इसकी नमी धारण करने की अत्यधिक क्षमता है। शुष्क मौसम में इस मिट्टी में गहरी दरारें पड़ जाती हैं, जिससे इसमें वायु का अच्छा मिश्रण (स्वत: जोत) हो जाता है। यह मृदा कैल्सियम कार्बोनेट, मैग्नीशियम, पोटाश और चूने जैसे पोषक तत्वों से समृद्ध होती है।
संदर्भ: NCERT, कक्षा 10, समकालीन भारत-2 (भूगोल), अध्याय 1: संसाधन एवं विकास, पृष्ठ संख्या 8-9।

प्र.7. भारतीय संविधान के किस मौलिक अधिकार के अंतर्गत 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को किसी कारखाने, खदान या अन्य खतरनाक रोजगार में लगाने पर पूर्ण प्रतिबंध है?
उत्तर: शोषण के विरुद्ध अधिकार
व्याख्या: भारतीय संविधान के अनुच्छेद 23 और 24 में 'शोषण के विरुद्ध अधिकार' को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी गई है। इसके अंतर्गत अनुच्छेद 24 विशेष रूप से बाल श्रम का निषेध करता है। इसके अनुसार 14 वर्ष से कम आयु के किसी भी बच्चे को किसी कारखाने, खान (खदान) या अन्य किसी भी जोखिम भरे काम (जैसे पटाखा उद्योग या ईंट भट्टा) में नियुक्त नहीं किया जा सकता। इस कानून का उद्देश्य बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और उनके बचपन को सुरक्षित रखना है। संसद ने इसे प्रभावी बनाने के लिए बाल श्रम (निषेध और नियमन) अधिनियम भी पारित किया है।
संदर्भ: NCERT, कक्षा 8, सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन-3, अध्याय 9: जनसुविधाएं (कानून और सामाजिक न्याय), पृष्ठ संख्या 109।

प्र.8. मानव शरीर में पाई जाने वाली वह कौन सी ग्रंथि है जो अंत:स्रावी और बाह्यस्रावी दोनों प्रकार के कार्यों को संपादित करती है और इंसुलिन का स्राव करती है?
उत्तर: अग्न्याशय ग्रंथि
व्याख्या: अग्न्याशय (Pancreas) मानव शरीर की एक अत्यंत महत्वपूर्ण मिश्रित ग्रंथि (Mixed Gland) है। यह पाचक एंजाइमों का स्राव करके बाह्यस्रावी ग्रंथि के रूप में कार्य करती है, जो भोजन के पाचन में सहायता करते हैं। इसके साथ ही, इसके भीतर स्थित 'लैन्गरहैन्स के द्वीप समूह' की बीटा कोशिकाओं से इंसुलिन नामक हार्मोन का स्राव होता है, जो सीधे रक्त में मिलकर शरीर में ग्लूकोज (शर्करा) के स्तर को नियंत्रित करता है। इंसुलिन की कमी से व्यक्ति मधुमेह (डायबिटीज) नामक रोग से ग्रसित हो जाता है। अत: यह ग्रंथि शरीर के आंतरिक वातावरण को संतुलित रखने में अनिवार्य भूमिका निभाती है।
संदर्भ: NCERT, कक्षा 10, विज्ञान, अध्याय 7: नियंत्रण एवं समन्वय, पृष्ठ संख्या 135।

प्र.9. उड़ीसा (ओडिशा) के पुरी में स्थित वह प्रसिद्ध मध्यकालीन मंदिर कौन सा है जो अपनी अनूठी रथयात्रा और काष्ठ (लकड़ी) की मूर्तियों के लिए विश्व प्रसिद्ध है?
उत्तर: जगन्नाथ मंदिर
व्याख्या: ओडिशा के पुरी में स्थित जगन्नाथ मंदिर भारतीय कला, वास्तुकला और संस्कृति का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। इस मंदिर का निर्माण 12वीं शताब्दी में गंग राजवंश के राजा अनंतवर्मन चोडगंग देव ने करवाया था। यह मंदिर भगवान कृष्ण (जगन्नाथ), उनके भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा को समर्पित है। यहाँ की मूर्तियां पारंपरिक रूप से पत्थर की न होकर पवित्र लकड़ी (नीम की लकड़ी) से बनाई जाती हैं, जिन्हें हर बारह या उन्नीस साल में बदला जाता है। हर साल आषाढ़ माह में यहाँ आयोजित होने वाली भव्य रथयात्रा में भाग लेने के लिए दुनिया भर से लाखों श्रद्धालु आते हैं।
संदर्भ: NCERT, कक्षा 7, हमारे अतीत-2 (इतिहास), अध्याय 9: क्षेत्रीय संस्कृतियों का निर्माण, पृष्ठ संख्या 123-124।

प्र.10. बिहार के मुंगेर जिले में स्थित वह प्रसिद्ध वन्यजीव अभयारण्य कौन सा है जो अपने गर्म पानी के स्रोतों (कुंडों) और बॉक्साइट की पहाड़ियों के लिए जाना जाता है?
उत्तर: भीमबांध वन्यजीव अभयारण्य
व्याख्या: भीमबांध वन्यजीव अभयारण्य बिहार के मुंगेर जिले में खड़गपुर पहाड़ियों के बीच स्थित है। लगभग 681 वर्ग किलोमीटर में फैले इस अभयारण्य की स्थापना 1976 में की गई थी। पौराणिक कथाओं के अनुसार, महाभारत काल में भीम ने यहाँ एक बांध का निर्माण किया था, जिसके कारण इसका नाम भीमबांध पड़ा। यह क्षेत्र घने जंगलों, पहाड़ियों और विशेष रूप से अपने प्राकृतिक गर्म पानी के झरनों (जैसे ऋषिकुंड, सीताकुंड) के लिए प्रसिद्ध है, जिनमें सल्फर की उपस्थिति के कारण औषधीय गुण होते हैं। यहाँ तेंदुआ, भालू, सांभर और विभिन्न प्रकार के पक्षी पाए जाते हैं।
संदर्भ: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) रिपोर्ट / बिहार सामान्य ज्ञान, कक्षा 9-10 [illegible]

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के जून माह के 'विद्यालय सुरक्षा कैलेंडर' के अंतर्गत, वज्रपात (आकाशीय बिजली) से सुरक्षा के लिए विद्यार्थियों को खुली जगह में होने पर कौन सी सुरक्षित शारीरिक मुद्रा अपनाने का निर्देश दिया गया है?

उत्तर: तड़ित कीचड़ मुद्रा

व्याख्या: बिहार में जून माह में मानसून के आगमन के साथ ही वज्रपात (तड़ित) की घटनाएं अत्यधिक बढ़ जाती हैं। 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' के सुरक्षा कैलेंडर के अनुसार, जून के तीसरे सप्ताह में बच्चों को वज्रपात से बचाव का प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके तहत निर्देश है कि यदि बच्चे खुले मैदान में हों और सुरक्षित आश्रय न मिले, तो उन्हें पैरों के बल जमीन पर उकड़ू बैठ जाना चाहिए, एड़ियों को आपस में जोड़ लेना चाहिए और हाथों से कानों को बंद कर सिर को घुटनों के बीच रख लेना चाहिए। इसे 'तड़ित कीचड़ मुद्रा' या 'लाइटनिंग स्क्वाट' (Lightning Squat) कहा जाता है। इससे शरीर का जमीन से संपर्क न्यूनतम हो जाता है और बिजली गिरने का खतरा कम हो जाता है।

प्र.12. मैं बिना पैरों के तेजी से चलती हूँ, बिना पंखों के आसमान में उड़ती हूँ। जब मैं रोती हूँ तो दुनिया खुश होती है, और जब मैं शांत होती हूँ तो सब झुलस जाते हैं। बताओ मैं कौन हूँ?

उत्तर: बादल

व्याख्या: यह एक अत्यंत रोचक और बौद्धिक पहेली है जो बच्चों की तार्किक और प्राकृतिक समझ को परखती है। पहेली में कहा गया है कि उसके पैर नहीं हैं, फिर भी वह हवा के वेग से तेजी से आगे बढ़ती है। उसके पंख नहीं हैं, फिर भी वह आसमान की ऊंचाइयों में तैरती है। जब बादल 'रोते' हैं, अर्थात वर्षा करते हैं, तो सूखी धरती तृप्त होती है, किसान खुश होते हैं और पूरी दुनिया में हरियाली छा जाती है। इसके विपरीत, जब बादल आसमान में नहीं होते और मौसम बिल्कुल साफ व शांत होता है, तो सूरज की तेज धूप और गर्मी से पूरी प्रकृति और जीव-जंतु झुलसने लगते हैं।

संदर्भ: प्राथमिक एवं माध्यमिक कक्षाओं के लिए बाल मनोविज्ञान एवं व्यावहारिक बौद्धिक गतिविधियां (स्वनिर्मित मौलिक पहेली)।

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

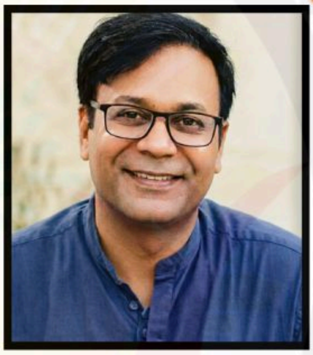

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Peculiar (पिक्यूलियर) = Strange (स्ट्रेंज) = विचित्र / विशेष
  Antonym – Common (कॉमन) = सामान्य

Quiver (क्विवर) = Tremble (ट्रेम्बल) = काँपना
  Antonym – Steady (स्टेडी) = स्थिर

Robust (रोबस्ट) = Strong (स्ट्रॉन्ग) = मजबूत / स्वस्थ
  Antonym – Weak (वीक) = कमजोर

Sincere (सिन्सियर) = Honest (ऑनेस्ट) = ईमानदार / सच्चा
  Antonym – Insincere (इनसिन्सियर) = कपटी

Timid (टिमिड) = Shy (शाइ) = डरपोक / संकोची
  Antonym – Bold (बोल्ड) = साहसी

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

India leads the 12th International Day of Yoga; PM Modi performs yoga with 50,000 participants at the world's highest eco-stadium in Leh. भारत ने 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का नेतृत्व किया; प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लेह में समुद्र तल से 11,000 फीट की ऊंचाई पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे इको-स्टेडियम में 50,000 नागरिकों के साथ योग कर नया कीर्तिमान स्थापित किया।

Ministry of Civil Aviation launches 'Aero-Green 2026' policy; mandates 5% Sustainable Aviation Fuel (SAF) blending for all domestic airlines by 2028. नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने 'एयरो-ग्रीन 2026' नीति की घोषणा की; इसके तहत विमानन क्षेत्र से होने वाले कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए 2028 तक सभी घरेलू एयरलाइंस के लिए 5% 'सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल' का सम्मिश्रण अनिवार्य किया गया है।

ISRO successfully places 'INSAT-3DS' climate-mapping satellite into Geosynchronous Transfer Orbit using its Next-Gen Launch Vehicle (NGLV). इसरो ने अपने अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण यान (NGLV) के जरिए INSAT-3DS मौसम व जलवायु-मानचित्रण उपग्रह को उसकी सटीक कक्षा में स्थापित किया; यह उपग्रह हिंद महासागर क्षेत्र में चरम मौसमी घटनाओं और चक्रवातों की रीयल-टाइम 3D इमेजिंग प्रदान करेगा।

INTERNATIONAL NEWS

United Nations adopts 'The Global Cryosphere Conservation Treaty' to protect shrinking glaciers and polar ice caps. संयुक्त राष्ट्र ने 'वैश्विक क्रायोस्फीयर (बर्फबारी क्षेत्र) संरक्षण संधि' को मंजूरी दी; ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव को रोकने के लिए दुनिया भर के 120 देशों ने ध्रुवीय बर्फ और पर्वतीय ग्लेशियरों के आसपास नए औद्योगिक खनन और वाणिज्यिक गतिविधियों पर सख्त प्रतिबंध लगाने पर सहमति जताई।

BBC News: Harvard and Tokyo University researchers successfully engineer 'Self-Powering Bio-Sensors' that harvest energy from human sweat. बीबीसी न्यूज़: हार्वर्ड और टोक्यो विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने 'स्व-ऊर्जा संचालित बायो-सेंसर्स' विकसित किए हैं; यह सूक्ष्म सेंसर त्वचा पर चिपक कर मानव पसीने में मौजूद लैक्टेट से बिजली पैदा करता है, जिससे चिकित्सा उपकरणों को बिना किसी बाहरी बैटरी के चलाया जा सकेगा।

World Health Organization (WHO) pre-qualifies 'Uni-Flu 2.0', the world's first universal single-shot vaccine covering 10 major influenza strains. विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने इन्फ्लूएंजा (फ्लू) के खिलाफ दुनिया के पहले सार्वभौमिक (Universal) टीके 'यूनि-फ्लू 2.0' को मंजूरी दी; यह सिंगल-शॉट टीका फ्लू के 10 अलग-अलग वेरिएंट्स के खिलाफ लंबे समय तक सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम है।

BIHAR NEWS

Bihar Government to establish 'State Agro-Forestry and Carbon Credit Hub' in Bettiah to support community-led carbon farming. बिहार सरकार बेतिया (पश्चिम चंपारण) में राज्य का पहला 'कृषि-वानिकी और कार्बन क्रेडिट हब' स्थापित करेगी; इसके तहत पेड़ लगाने वाले और पर्यावरण संरक्षण करने वाले स्थानीय किसानों को सीधे 'कार्बन क्रेडिट' का वित्तीय लाभ दिया जाएगा।

SCERT Bihar launches 'Mukhyamantri Vigyan Pratibha Yojana'; to provide annual research grants to top 2,000 rural government school students. एससीईआरटी बिहार ने 'मुख्यमंत्री विज्ञान प्रतिभा योजना' की शुरुआत की; इसके तहत जिला स्तर पर विज्ञान प्रदर्शनियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले ग्रामीण क्षेत्रों के 2,000 मेधावी छात्रों को उन्नत शोध और नवाचार के लिए सरकार द्वारा वार्षिक अनुसंधान अनुदान (Research Grant) दिया जाएगा।

SPORTS NEWS

Indian Javelin Star Kishore Jena wins Gold at the Paris Diamond League 2026; secures victory with a stunning 88.90m throw. भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी किशोर जेना ने पेरिस डायमंड लीग 2026 में इतिहास रचते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया; उन्होंने अपने तीसरे प्रयास में 88.90 मीटर का शानदार थ्रो फेंककर दुनिया के शीर्ष एथलीटों को पछाड़ा।

International Football Association (FIFA) introduces 'Automated Heat-Stress Breaks' for the upcoming World Cup based on player biometric data. फीफा ने खिलाड़ियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आगामी विश्व कप के लिए 'स्वचालित हीट-स्ट्रेस ब्रेक' प्रणाली लागू करने की घोषणा की; मैदान पर खिलाड़ियों के जर्सी में लगे सेंसर्स उनके शरीर के तापमान का रीयल-टाइम डेटा रेफरी को भेजेंगे, जिसके आधार पर अत्यधिक गर्मी में खेल को कुछ देर रोककर आराम दिया जाएगा।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

✍️ संदेश:

"NEWS का मूल उद्देश्य आपको केवल सूचित करना नहीं, बल्कि समय के साथ आपके ज्ञान को अधिक वैज्ञानिक और अद्यतन बनाना है। निरंतर पढ़ते रहें।"

प्रेरक प्रसंग

गर्मी ने जो सिखाया

गर्मी की लंबी छुट्टियों के बाद विद्यालय का पहला दिन था। बच्चे अपने मित्रों से मिलकर बहुत खुश थे। कोई छुट्टियों की यात्रा के बारे में बता रहा था, तो कोई अपने ननिहाल की बातें कर रहा था।

प्रार्थना सभा में मालती मैडम ने बच्चों का स्वागत किया और पूछा—
"बच्चों, इस बार गर्मी कैसी लगी?"

अजय तुरंत बोला—
"मैडम, इस बार तो बहुत ज्यादा गर्मी पड़ी। दोपहर में बाहर निकलना मुश्किल हो जाता था।"

कई बच्चों ने उसकी बात का समर्थन किया।

मालती मैडम ने कहा—
"बच्चों, बढ़ती गर्मी केवल मौसम का बदलाव नहीं है। यह हमें प्रकृति का एक संदेश भी देती है। पेड़ों की कटाई, प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक उपयोग से जलवायु का संतुलन प्रभावित हो रहा है।"

फिर उन्होंने बच्चों को विद्यालय के पुराने बरगद के पेड़ की ओर इशारा करते हुए कहा—
"जब यह पेड़ लगाया गया था, तब किसी ने नहीं सोचा होगा कि एक दिन इसकी छाया में सैकड़ों बच्चे बैठेंगे। एक छोटा पौधा आज कितनों को राहत दे रहा है।"

यह सुनकर अजय सोच में पड़ गया। उसे याद आया कि छुट्टियों में उसके घर के पास कई पेड़ काट दिए गए थे। अब वहाँ पहले से कहीं अधिक गर्मी महसूस होती थी।

मालती मैडम ने आगे कहा—
"जैसे हम पढ़ाई करके अपना भविष्य बनाते हैं, वैसे ही पेड़ लगाकर और प्रकृति की रक्षा करके आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित बनाते हैं।"

सभा समाप्त होने से पहले बच्चों ने एक संकल्प लिया—
"हम पेड़ों की रक्षा करेंगे, नए पौधे लगाएंगे, पानी बचाएंगे और अपने आसपास स्वच्छ वातावरण बनाए रखेंगे।"

उस दिन विद्यालय का नया सत्र केवल पढ़ाई के साथ नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति नई जिम्मेदारी के साथ शुरू हुआ।
संदेश : "पृथ्वी हमें जीवन देती है। उसका संरक्षण करना हमारा कर्तव्य है। आज लगाया गया एक पौधा, कल की ठंडी छाया बनता है।"

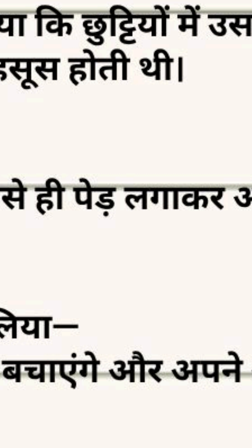

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

शिक्षण विधियाँ — क्या आपकी विधि बच्चे की प्रकृति के अनुकूल है?

शिक्षक साथियों, जब हम कक्षा में प्रवेश करते हैं, तो हमारे सामने सबसे बड़ा सवाल यह होता है कि "आज इस पाठ को बच्चों के दिमाग और दिल तक कैसे पहुँचाया जाए?" शिक्षण की सबसे प्राचीन और प्रचलित विधि है— व्याख्यान विधि (Lecture Method), जिसमें शिक्षक सक्रिय रहता है और बच्चे केवल सुनते हैं। हालांकि बड़ी कक्षाओं में या कम समय में अधिक जानकारी देने के लिए यह विधि उपयोगी है, लेकिन प्राथमिक और उच्च-प्राथमिक स्तर पर यह विधि बच्चों को 'मूक श्रोता' (Passive Listeners) बना देती है। इसके विपरीत, सुकरात द्वारा प्रतिपादित प्रश्नोत्तर विधि (Question-Answer Method) कक्षा में एक नई जान फूंक देती है, जहाँ शिक्षक और छात्र दोनों सक्रिय भागीदारी निभाते हैं।

मनोविज्ञान कहता है कि जब बच्चा केवल सुनता है, तो वह ज्ञान का केवल एक छोटा हिस्सा ही याद रख पाता है। लेकिन जब वह किसी प्रश्न का उत्तर देने के लिए अपने मस्तिष्क पर जोर देता है, तो वह सीखने की प्रक्रिया का नेतृत्व करने लगता है। एक कुशल शिक्षक के रूप में, हमारा लक्ष्य व्याख्यान को पूरी तरह छोड़ना नहीं है, बल्कि अपनी कक्षा को एकतरफा भाषण (One-way communication) से बचाकर संवादात्मक (Interactive) बनाना है। हमें व्याख्यान के बीच-बीच में प्रश्नों का ऐसा जाल बुनना चाहिए जिससे बच्चे की जिज्ञासा सो न जाए।

उदाहरण:

इसे अपनी कक्षा के एक सीधे उदाहरण से समझते हैं। मान लीजिए आप कक्षा 4 के बच्चों को 'हवा' (Air) के गुण पढ़ा रहे हैं।

- व्याख्यान विधि का तरीका: आप मंच पर खड़े होकर 15 मिनट तक भाषण देते हैं कि "बच्चों, हवा अदृश्य होती है, हवा में वजन होता है और वह जगह घेरती है।" बच्चे चुपचाप सुन रहे हैं, कुछ का ध्यान खिड़की से बाहर है।
- प्रश्नोत्तर विधि का तरीका: आप कक्षा में एक खाली गुब्बारा लेकर जाते हैं। आप बच्चों से पूछते हैं— "बच्चों, इस गुब्बारे के अंदर अभी क्या है?" बच्चे कहेंगे— "कुछ नहीं, यह खाली है।" फिर आप उसमें फूंक मारकर उसे फुलाते हैं और पूछते हैं— "अब यह गुब्बारा बड़ा क्यों हो गया? इसके अंदर क्या भरा है?" बच्चे चिल्लाएंगे— "हवा!" फिर आप पूछेंगे— "तो क्या हवा जगह घेरती है?" बच्चे एक सुर में कहेंगे— "हाँ!"

यहाँ आपने कोई लंबा भाषण नहीं दिया। आपने केवल सही समय पर सही प्रश्न पूछे और बच्चों ने स्वयं निष्कर्ष निकाल लिया कि 'हवा स्थान घेरती है'। इस विधि से सीखा हुआ ज्ञान बच्चे कभी नहीं भूलते क्योंकि इस ज्ञान की खोज में वे स्वयं शामिल थे।

शिक्षक साथियों, प्रश्नोत्तर विधि का उपयोग करते समय हमें यह ध्यान रखना होगा कि हमारे प्रश्न केवल 'हाँ' या 'ना' वाले न हों, बल्कि वे 'खोजपूर्ण' (Probing Questions) हों जो बच्चों को सोचने पर मजबूर करें। जब बच्चा गलत उत्तर भी दे, तो उसे डांटने के बजाय उसके सोचने की प्रक्रिया की सराहना करें और प्रश्नों के माध्यम से ही उसे सही उत्तर तक पहुँचाएँ।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि एक बेहतरीन शिक्षक वह नहीं है जो कक्षा में सबसे ज्यादा बोलता है, बल्कि वह है जो बच्चों से सबसे ज्यादा बोलवाता है। हमारी शिक्षण विधि ऐसी होनी चाहिए जो बच्चे की स्वाभाविक खोजी प्रवृत्ति के अनुकूल हो। आज चिंतन कीजिएगा कि आपकी आज की कक्षा में आपके और बच्चों के बोलने का अनुपात (Ratio) क्या था? क्या आपने उन्हें सोचने का पूरा समय दिया?

..................✍️
मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। यह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरू हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01

सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वे अंक मे प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण–ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"बिहार दर्शन : शिवहर, अंक–2"

शिवहर: विदेह का गौरव, अनसुने क्रांतिकारी और मेधा के शीर्ष हस्ताक्षर

'संपादकीय'✍️

शिवहर का इतिहास भले ही आधुनिक प्रशासनिक पन्नों पर नया हो, परंतु इसकी ऐतिहासिक जड़ें प्राचीन आर्यावर्त के विदेह (मिथिला) साम्राज्य से गहराई से जुड़ी हुई हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, प्राचीन काल में यह क्षेत्र घने वनों से आच्छादित था जहाँ महर्षि याज्ञवल्क्य जैसे मनीषियों की तपोभूमि थी। इस जिले का नाम 'शिवहर' स्वयं में एक महान ऐतिहासिक साक्ष्य समेटे हुए है; माना जाता है कि राजा जनक के काल में यहाँ भगवान शिव की विशेष उपासना होती थी और 'शिव-हर' (शिव को हरने वाला या शिव की नगरी) से ही अपभ्रंश होकर यह शिवहर बना। यहाँ के स्थानीय गाँवों में दबे मौर्य और गुप्तकालीन ईंटों के अवशेष तथा प्राचीन सरोवरों की शृंखला यह प्रमाणित करती है कि यह सुदूर अतीत में वैशाली के बज्जी संघ और विदेह साम्राज्य के बीच एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक गलियारा था।

स्वतंत्रता संग्राम के कालखंड में शिवहर की धरती राष्ट्रवाद की एक धधकती हुई भट्टी के रूप में उभरी। सन 1942 के 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान यहाँ के क्रांतिकारियों ने ब्रिटिश हुकूमत की चूलें हिला दी थीं। शिवहर के इतिहास का सबसे स्वर्णिम और भावुक कर देने वाला अध्याय पिपराही थाने पर तिरंगा फहराने की घटना है। ब्रिटिश पुलिस की बंदूकों के सामने सीना ताने खड़े स्थानीय जन-नायक पं. रामधारी शर्मा (उर्फ 'अग्निशिखा') और उनके साथियों ने जिस अदम्य साहस का परिचय दिया, उसने पूरे तिरहुत कमिश्नरी में राष्ट्रवाद की ज्वाला सुलगा दी थी। इसके अतिरिक्त, रघुनाथ गुप्ता और ठाकुर रामनंदन सिंह जैसे अनसुने स्वतंत्रता सेनानियों ने भूमिगत रहकर महात्मा गांधी और जयप्रकाश नारायण के संदेशों को सुदूर ग्रामीण इलाकों तक पहुँचाया और यहाँ की बागमती के कछारों को क्रांतिकारियों की सुरक्षित पनाहगाह में बदल दिया।

साहित्य, मेधा और सामाजिक चेतना के क्षेत्र में इस छोटे से जिले का योगदान किसी महानगर से कम नहीं रहा है। समकालीन राजनीति और साहित्य को प्रभावित करने वाले महान मनीषी और प्रखर समाजवादी विचारक रघुनाथ झा का नाम इस जिले की पहचान से अभिन्न रूप से जुड़ा हुआ है, जिन्होंने शिवहर को एक अलग जिला बनाने में अपनी महती भूमिका निभाई। कला और लोक-साहित्य के धरातल पर यहाँ के स्थानीय कवियों ने भोजपुरी और बज्जिका भाषा में ऐसी कालजयी रचनाएँ की हैं, जो आज भी ग्रामीण पुस्तकालयों और बुजुर्गों की स्मृतियों में जीवित हैं। यहाँ की जनचेतना में रचे-बसे 'बज्जिका लोकगीत' केवल कला की अभिव्यक्ति नहीं हैं, बल्कि वे समाज के वंचित तबके के अधिकारों और संघर्षों का जीवंत दस्तावेज हैं।

आधुनिक राजनीतिक और प्रशासनिक फलक पर शिवहर की मेधा ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी धाक जमाई है। देश के संसदीय इतिहास में शिवहर लोकसभा क्षेत्र हमेशा से राष्ट्रीय राजनीति का एक बड़ा केंद्र रहा है, जिसने देश को कई कद्दावर राजनेता और रणनीतिकार दिए हैं। इस जिले के युवाओं ने सीमित संसाधनों और बार-बार आने वाली बागमती की विनाशकारी बाढ़ के बावजूद, देश की सर्वोच्च प्रशासनिक सेवाओं (UPSC और BPSC) में लगातार अपनी मेधा का लोहा मनवाया है। यहाँ के गाँवों से निकलकर दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों तक अपनी बौद्धिक क्षमता का परचम लहराने वाले शिक्षाविदों की एक लंबी फेहरिस्त है, जो यह सिद्ध करती है कि प्रतिभा किसी विशाल भूगोल की मोहताज नहीं होती।

अंततः, शिवहर का यह ऐतिहासिक और मानवीय पक्ष यह प्रदर्शित करता है कि यहाँ के समाज में अन्याय के खिलाफ लड़ने और विपरीत परिस्थितियों में भी श्रेष्ठता हासिल करने का एक जन्मजात गुण है। पिपराही के शहीदों का रक्त, विदेह साम्राज्य का बौद्धिक वैभव और आधुनिक मनीषियों का विज़न—ये सभी तत्व मिलकर शिवहर को एक ऐसी चेतना प्रदान करते हैं जो आकार में छोटी होते हुए भी प्रभाव में ब्रह्मांडीय है। परीक्षाओं की दृष्टि से इन स्थानीय क्रांतियों, अनसुने सेनानियों और ऐतिहासिक कड़ियों का यह सघन अध्ययन अभ्यर्थियों को उत्तर बिहार की खोई हुई ऐतिहासिक कड़ियों को जोड़ने की एक अभूतपूर्व और प्रामाणिक अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org